ये अव्यक्त इशारे

ईच्छा मात्रम् अविद्या की स्थिति का अनुभव करो और कराओ

26-09-2024

अब विश्व की आत्माओं की अनेक प्रकार की इच्छायें अर्थात् कामनायें पूर्ण करने का दृढ़ संकल्प धारण करो। औरों की इच्छायें पूर्ण करना अर्थात् स्वयं को इच्छा मात्रम् अविद्या बनाना। जैसे देना अर्थात् लेना है, ऐसे ही दूसरों की इच्छायें पूर्ण करना अर्थात् स्वयं को सम्पन्न बनाना है। सदा यही लक्ष्य रखो कि हमें सर्व की कामनायें पूर्ण करने वाली मूर्ति बनना है।

Experience the stage of being ignorant of the knowledge of desires and give others this experience.

Now, have a determined thought to fulfil all the different desires of all the souls of the world. To become ignorant of all desires means to fulfil the desires of others. Just as giving is, in fact, receiving, so too, to fulfil the desires of others is to make oneself full. Always have the aim of becoming an idol through which everyone's desires are fulfilled.